SHRI S. B. CHAVAN: Giving the case to the CBI, at least prima facie we must have something to have some kind of suspicion that something is being suppressed and it requires to be investigated by the CBI. Unless *prima facie* a case is brought to our notice, referring every case to the CBI is not going to help us at all.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Why should I ask you to refer every case to the CBI? It is a case of the former President. It is better for all of us if it is done. I don't say that it is not an accident. That is not my case. But, you know the public opinion. Why not be above suspicion? This is what I am telling you.

SHRI S. B. CHAVAN: I will certainly consider this aspect and if anything is brought to our notice which creates some kind of a doubt in our minds, there will be no hesitation on our part in entrusting the case to the CBI.

RE: Misuse of of TADA

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल: उत्तर प्रदेश वाइस चेयरमैन साहब, कल 10 दिसम्बर है और कल ह्यूमैन राइट्स डे मनाया जाएगा। कल चूंकि पार्लियामेंट बंद है इसलिए मैंने इस मसले को आज उठाना जरूरी समझा। हमारे यहां जो ह्यूमैन राइट्स कमीशन बना हुआ है, उसने टाडा के बारे में जो कुछ कहा है, वह सारे अखबारों में छप चुका है। वाइस चेयरमैन साहब, मैंने आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 19 अगस्त को हमने इस मसले को राज्य सभा में उठाया और पिछले तीन साल से बराबर उठा रहे हैं। खुशी की बात यह है कि जब 19 अगस्त को यह मसला मैंने उठाया और तमाम हाउस के लोगों ने उस पर अपने एजीटेशन का इजहार किया तो वजीरे दाखिला साहब ने अपने बयान में यह माना था कि बहुत सी जगहों पर टाडा का मिसयूज हो रहा है लेकिन अफसोस की बात है कि इसके खिलाफ वह क्या कार्रवाई करने जा रहे हैं, यह वह नहीं बता सके थे। हमें उम्मीद थी कि अगर वजीरे दाखिला साहब ने यह बात मान ली और दूसरे वजीरे दाखिला साहब तो बराबर मान रहे हैं, अंदर भी और बाहर भी कि टाडा का मिसयूज हो रहा है तो सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई होगी। कांग्रेस पार्टी के स्पोक्समैन ने कहा कि हम इस सैशन के अंदर टाडा के बारे में कुछ नहीं करेंगे लेकिन अगले सैशन में करने वाले है। पिछले सैशन में जब मैं यह मसला उठाना चाहता था, तब मुझे यह कहा गया कि एक बिल आ रहा है, आप उस पर बोलिएगा। वह बिल कहां है, यह भी नहीं पता। सर, सैशन खत्म होने के बाद जब वजीरे दाखिला साहब रूस से तशरीफ लाए तो एयर-पोर्ट पर टाडा के मुताल्लिक अखबार वालों ने उनसे सवाल किया तो उन्होंने बताया कि टाडा को रिपील करने का हमारा कोई इरादा नहीं है। उससे ज्यादा जो मुझे अफसोस हुआ और मैं कहना चाहता हूं चूंकि चव्हाण साहब बहुत बड़े लीडर हैं, बहुत सीनियर आदमी हैं, मैं उनकी शान में कुछ कहना नहीं चाहता हूं, उन्होंने किसी के पूछने पर कहा कि टाडा का इस्तेमाल अकलियतों के खिलाफ नहीं हो रहा है। मैं इसको अकलियत और अक्सरियत का मसला नहीं मान रहा हूं। आज 67,509 लोग टाडा में है, यह उन पर लगा हुआ है। अगर मैं यह मानता हूं कि इसमें 67,000 लोग मुसलमान हैं, माइनॉरिटी के लोग है और बाकी सौ-दो सौ गैर-मुस्लिम हैं तो भी यह उतना ही बड़ा जुर्म है क्योंकि यह ह्यूमैन राइट्स का मामला है। आज जजिज़ इसके खिलाफ बयान दे रहे हैं। सर, मैं यह बताना चाहता हूं कि 1985 में यह पंजाब के

लिए लाया गया था और आज 25 सूबों के अंदर इसका इस्तेमाल हो रहा है जिसमें गुजरात में 19,263 लोग हैं, पंजाब के अंदर 15,175 लोग हैं, असम के अंदर 11,684 लोग हैं, आंध्र प्रदेश में 8,692 लोग हैं। यह कुल मिलाकर 67509 लोग टाडा में हैं। यह बहुत बड़ा इम्पोर्टेन्ट मामला है। (समय की घंटी) आपने दूसरों को ज्यादा टाइम दिया है।

†[شری محمد افضل عرف م. افضل: ڈپٹی چیئرمین صاحب، کل ۱۰ دسمبر ہے اور کل "ہیومن رائٹس ڈے" منایا جائے گا لیکن چونکہ پارلیمنٹ بند ہے اس لئے میں نے اس مسئلہ کو آج اٹھانا ضروری سمجھا۔ ہمارے یہاں جو ہیومن رائٹس کمیشن بنا ہوا ہے اس نے ٹاڈا کے بارے میں کچھ کہا ہے۔ وہ سارے اخباروں میں چھپ چکا ہے۔ ڈپٹی چیئرمین صاحب، میں آپ کو یاد دلانا چاہتا ہوں کہ ۱۹ اگست کو ہم نے اس مسئلہ کو راجیہ سبھا میں اٹھایا اور پچھلے تین سال سے برابر اٹھا رہے ہیں۔ خوشی کی بات یہ ہے کہ جب ۱۹ اگست کو یہ مسئلہ میں نے یہاں اٹھایا اور تمام ہاؤس کے لوگوں نے اس پر اپنے ایجی ٹیشن کا اظہار کیا تو وزیر داخلہ صاحب نے اپنے بیان میں یہ مانا تھا کہ بہت سی جگہوں پر ٹاڈا کا مس یوز ہو رہا ہے لیکن افسوس کی بات ہے کہ اس کے [illegible] [illegible] امید تھی کہ اگر وزیر داخلہ صاحب نے یہ بات مان لی اور گورنمنٹ سے وزیر داخلہ صاحب تو برابر یہاں رہتے ہیں اندر بھی اور باہر بھی کہ ٹاڈا کا مس یوز ہو رہا ہے تو سرکار کی طرف سے کوئی کارروائی ہوگی۔ کانگریس پارٹی کے اسپوکس مین نے کہا کہ ہم اس سیشن کے اندر ٹاڈا کے بارے میں کچھ نہیں کریں گے لیکن اگلے سیشن میں کرنے والے ہیں۔ پچھلے سیشن میں جب یہ مسئلہ اٹھانا چاہتا تھا تب مجھے یہ کہا گیا کہ ایک بل آ رہا ہے آپ اس پر بولئے گا۔ وہ بل کہاں ہے یہ بھی نہیں پتہ۔

سر، سیشن ختم ہونے کے بعد جب وزیر داخلہ صاحب روس سے تشریف لائے تو ائیرپورٹ پر ٹاڈا کے متعلق اخبار والوں نے ان سے سوال کیا تو انہوں نے بتایا کہ ٹاڈا کو ریپیل کرنے کا ہمارا کوئی ارادہ نہیں ہے۔ اس سے زیادہ جو مجھے افسوس ہوا اور میں کہنا چاہتا ہوں چونکہ چوان صاحب بہت بڑے لیڈر ہیں۔ بہت سینئر آدمی ہیں ان کی شان میں کچھ کہنا نہیں چاہتا ہوں۔ انہوں نے کبھی

†[ ] Transliteration in Arabic Script

[illegible] ٹاڈا [illegible]
آفیسروں کے خلاف [illegible]
اس کو آفیسر [illegible] اندر اکثر [illegible]
بنا رہا ہوں۔ آج ۶۷۵۰۹ لوگ [illegible] ٹاڈا
میں ہیں۔ یہ ان پر لگا ہوا ہے۔ اگر میں
یہ مانتا ہوں کہ ان میں ... لوگ
مسلمان ہیں۔ مائنارٹی کے لوگ ہیں
اور باقی سو دو سو لوگ غیر مسلم ہیں
تو بھی یہ اتنا ہی بڑا جرم ہے کیونکہ
یہ ہیومن رائٹس کا معاملہ ہے۔ آج ججز
اس کے خلاف بیان دے رہے ہیں۔
سر میں یہ بتانا چاہتا ہوں کہ
۱۹۸۵ میں یہ پنجاب کے لئے لایا گیا
تھا اور آج ۲۵ صوبوں کے اندر اس کا
استعمال ہو رہا ہے جس میں گجرات میں
۱۹۲۶۳ لوگ ہیں۔ پنجاب کے ۱۴۱۷۵
لوگ ہیں۔ آسام کے اندر ۱۱۶۸۴ لوگ
ہیں۔ آندھرا پردیش میں ۸۶۹۲ لوگ ہیں
یہ کل ملا کر ۶۷۵۰۹ لوگ ٹاڈا میں
ہیں۔ یہ بہت بڑا امپورٹنٹ معاملہ ہے
"وقت کی گھنٹی"۔ آپ نے دوسروں کو
زیادہ وقت دیا ہے۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): You have to make a brief mention.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं खत्म कर रहा हूं । मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूं...

†[میں ختم کر رہا ہوں۔ میں صرف یہ جاننا چاہتا ہوں ....]

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : (उत्तर प्रदेश) : टाडा को खत्म कर दीजिए यह सवाल भी खत्म हो जायेगा ।

†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی: ٹاڈا کو ختم کر دیجئے یہ سوال بھی ختم ہو جائیگا۔]

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : जून, 1984 को रिव्यू कमेटी बनाई गई । स्टट्स के अन्दर रिव्यू कमेटी बनाने का एलान किया गया । उसका क्या रिजल्ट आया ? मैं एक और अपनी बात कहकर खत्म करता हूं "पायनीर" में 19 नवम्बर, 1994 में दिल्ली के टाडा कोर्ट के जो जज हैं मिस्टर एच० पी० शर्मा टाडा के बारे में क्या कर रहे हैं वह छपा है । उन्होंने इन्टरव्यू दिया है ।

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل: جون ۱۹۸۴ کو ریویو کمیٹی بنائی گئی۔ اسٹیٹس کے اندر ریویو کمیٹی بنانے کا اعلان کیا گیا اس کا کیا رزلٹ آیا۔ میں ایک اور اپنی بات کہہ کر ختم کرتا ہوں۔ "پائنیر" میں ۱۹ نومبر ۱۹۹۴ میں دلّی کے ٹاڈا کورٹ کے جو جج ہیں مسٹر ایچ۔ پی۔ شرما وہ ٹاڈا کے بارے میں کیا کر رہے ہیں وہ چھپا ہے انہوں نے انٹرویو دیا ہے۔]

†[] Transliteration in Arabic Script [illegible]

"The seriousness of TADA cases should be understood by everyone involved. I have cases dating back to 1986 when TADA was introduced. It is not that I do not want to dispose of but there are so many practical problems involved. According to me, the prosecution after framing the charges just goes off to sleep. They do not produce the witnesses and evidence required for prosecution. There come several adjournments but the situation is still the same. Sometimes, I pass strictures against police officials but nobody bothers."

यह एक जज का बयान है जिसमें टाडा के बारे में उनकी राय है । मेरी समझ में नहीं आता, इसके जारी रहने का क्या कारण है। यह टाडा जरूर लाइये। मै चव्हाण साहब से कहना चाहता हूं :

हमें गैरों से क्या मतलब, जो मैं उनसे गिला करता ।

शिकायत उनसे की है जिनको अपना समझा ।

आप आखिर इस कानून के बारे में सोचते क्यों नहीं है । जो भी ह्यूमन राइट्स आर्गेनाइजेशंस हैं, तमाम इंटलेक्चुअल्स हैं, बराबर इसके बारे में कह रहे हैं । मुसस्सल इसके बारे में जलसे हो रहे हैं, चारों तरफ आवाज उठ रही है । आज अकाली दल का जलसा हो रहा है टाडा के खिलाफ । राज बब्बर साहब यहां बैठे है । इन्होंने मुक्ति आंदोलन शुरु किया है । मैं भी मुल्क के अंदर कई जलसे कर चुका हूं । हजारों की तादाद में कानून के खिलाफ जलसे हो रहे हैं । जो दीवार पर लिखा हुआ है उसको पढ़ने की कोशिश कीजिए, इस काले कानून को बंद कीजिए । ह्यूमन राइट्स कमीशन के चेयरमैन अगर यह कहते हैं कि हम इसके खिलाफ हैं और सुप्रीम कोर्ट में जाना चाहते हैं, मुझे मालूम नहीं वह गये या नहीं, लेकिन यह बड़ा इम्पोर्टेन्ट मसला है । मैं वजीरे दाखिला साहब से विनती करता हूं 67 हजार लोगों के साथ जो कुछ हो रहा है इसके बावजूद भी कन्वीक्शन रेट एक परसेंट है । जैसा ह्यूमैन राइट्स कमीशन ने भी कहा है कि कन्वीक्शन रेट एक परसेंट है (**व्यवधान**)

یہ ایک جج کا بیان ہے جس میں
ٹاڈا کے بارے میں انکی رائے ہے میرے
سمجھ میں نہیں آتا کہ اس کے جاری رہنے
کا کیا کارن ہے۔ یہ ٹاڈا ضرور لائیے۔
میں چوہان صاحب سے کہنا چاہتا ہوں کہ۔

†[] Transliteration in Arabic Script

ہمیں شرمندہ ہونا ہے کیا مطلب جس میں ان سے گلا کر
شکایت ان سے کی ہے جن کو اپنا سمجھا
گیا۔ آخر اس قانون کے بارے میں
سوچتے کیوں نہیں ہیں جو ہیومن
رائٹس آرگنائزیشنس ہیں۔ تمام
انٹیلیجنس ہیں، برابر اس کے بارے
میں کہہ رہے ہیں۔ مسلسل اس کے بارے
میں جلسے ہو رہے ہیں، چاروں طرف
آواز اٹھ رہی ہے۔ آج اکالی دل کا جلسہ
ہو رہا ہے ٹاڈا کے خلاف۔ راج ببر
صاحب یہاں بیٹھے ہیں۔ انہوں نے
تحریک آندولن شروع کیا ہے۔ میں بھی
ملک کے اندر کئی جلسے کر چکا ہوں۔
ہزاروں کی تعداد میں قانون کے خلاف
جلسے ہو رہے ہیں۔ جو دیوار پر لکھا ہوا
ہے اس کو پڑھنے کی کوشش کیجئے۔ اس
کالے قانون کو ختم کیجئے۔ "ہیومن رائٹس"
چیئرمین کے کمیشن اگر یہ کہتے ہیں کہ
ہم اس کے خلاف ہیں اور سپریم کورٹ
میں جانا چاہتے ہیں۔ مجھے معلوم نہیں
وہ گئے یا نہیں لیکن یہ بڑا امپورٹنٹ
مسئلہ ہے۔ میں وزیر داخلہ صاحب سے
ونتی کرتا ہوں کہ ۷۶ ہزار لوگوں کے
ساتھ جو کچھ ہو رہا ہے اس کے بعد بھی
کنونشن ریٹ ایک پریسنٹ ہے جیسا
ہیومن رائٹس کمیشن نے بھی کہا ہے کہ
... ریٹ ایک پریسنٹ ہے ... مداخلت۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं डिमांड करता हूं कि टाडा कानून को फौरन खत्म किया जाए। टाडा के तहत जितने लोगों को पकड़ा गया है उनको फौरन छोड़ा जाए। बहुत-बहुत शुक्रिया।

†شری محمد افضل عرف میم افضل: میں
ڈیمانڈ کرتا ہوں کہ ٹاڈا قانون کو فوراً
ختم کیا جائے۔ ٹاڈا کے تحت جتنے لوگوں
کو پکڑا گیا ہے ان کو فوراً چھوڑا جائے
بہت بہت شکریہ۔

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : हम सब लोग इसकी ताईद करते हैं। यह बहुत इम्पोर्टेंट मैटर है। जो बेकसूर इंसान टाडा में बन्द हैं उनको छोड़ा जाए। (व्यवधान)

†مولانا عبیداللہ خان اعظمی: ہم
سب لوگ اس کی تائید کرتے ہیں۔
یہ بہت امپورٹنٹ میٹر ہے۔ جو بے قصور
انسان ٹاڈا میں بند ہیں۔ ان کو چھوڑا
جائے ... مداخلت ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri Mohd. Salim. Names have been given by the members and I have to call the members to speak.

---

†[] Transliteration in Arabic Script

श्री मोहम्मद सलीम : (पश्चिम बंगाल) : मिस्टर वाइस चेयरमैन साहब, हमारे यहां होम मिनिस्टर साहब, वरिष्ठ नेता उपस्थित हैं। मैंने पिछले तीन साल मे संसद् में, संसद के बाहर की बात नहीं कह रहा हूं, होम मिनिस्टर साहब के टाडा के सिलसिले में कई बयानात सुने। यह प्रैस कान्फ्रेंस में या बाहर क्या कहते हैं, दूसरे मंत्री क्या कहते हैं, उनके जूनियर्स क्या कहते हैं मैं उनको नहीं लेता। मैं होम मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि वह इस बारे में रोशनी डालें। 1992 से डिटेल में नहीं देना चाहूंगा क्योंकि आपने कहा डिसकशन का टाइम नहीं है। मंत्री महोदय ने सदन में कभी लोक सभा में कभी राज्य सभा में कहा :

شری محمد سلیم (مغربی بنگال): مسٹر وائس چیرمین صاحب، ہمارے یہاں ہوم منسٹر صاحب، وریشٹ نیتا اپستھت ہیں۔ میں نے پچھلے تین سال سے سنسد میں، سنسد کے باہر کی بات نہیں کہہ رہا ہوں، ہوم منسٹر صاحب کے ٹاڈا کے سلسلے میں کئی بیان سنے۔ یہ پریس کانفرنس میں یا باہر کیا کہتے ہیں، دوسرے منتری کیا کہتے ہیں۔ انکے جونیئرس کیا کہتے ہیں، میں ان کو نہیں لیتا ہوں۔ میں ہوم منسٹر صاحب سے کہنا چاہتا ہوں کہ وہ اس بارے میں روشنی ڈالیں۔ ۱۹۹۲ سے ڈیٹیل میں نہیں دینا چاہتا ہوں کیونکہ آپ نے کہا کہ ڈسکشن کا ٹائم نہیں ہے۔ منتری مہودے نے سدن میں کبھی لوک سبھا میں کبھی راجیہ سبھا میں کہا۔

"TADA would be amended to avoided misuse by State Governments" " I have asked to review all cases so that innocents are not harassed" "I have written two letters, one to the State Governments repeating the earlier plea not to use TADA against the political dissidents" "The second, to the Cabinet colleagues and the Press. 'TADA is not being misused against minority."

On the 19th August, he said "Unfortunately, inspite of my letters the Act is being misused. I cannot contradic this."

पीछे इनका यह कहना था कि हम मालूमात कर रहे हैं, स्टेट गवर्नमेंट से रिपोर्ट ले रहे हैं। पहले उनका यह सवाल था कि हम स्टेट गवर्नमेंट से रिपोर्ट ले रहे हैं कि वह मिस-यूज है कि नहीं। इस सदन के एक वरिष्ठ नेता जाफ़र शरीफ़ ने पिछले सत्र में कहा था कि हां, इसका मिसयूज हो रहा है। जब हम लोगों के ऊपर लाठी चार्ज किया गया, जब हम टाडा के विरोध में जलूस निकाल रहे थे तो उस वक्त मंत्री महोदय ने खुद कहा था, वे इसको कन्ट्राडिक्ट नहीं कर सकते, कि इसका मिस-यूज हो रहा है। लेकिन जब वे इंटर सेशन में बाहर जाते हैं और जब उनसे यह पूछा जाता है कि क्या यह टाडा माइनारिटी के खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है--इससे पहले कांग्रेस सरकार या कांग्रेस के किसी भी नेता की यह कहने की हिम्मत नहीं हुई-- वे कहते हैं कि अगर कोई गिरोह फेंकता है, कोई ग्रूप फेंकता है, कम्यूनिटी फेंकती है, माइनारिटी के लोग फेंकते हैं तो इसको माइनारिटी के खिलाफ इस्तेमाल किया जाएगा। टाडा वाइलेंस के लिए नहीं बनाया गया था। टाडा टैरोरिज्म और डिसरप्टिव एक्टिविटीज जो कुछ महदूद इलाकों में थी, डिस्टर्ब्ड एरिया जो पंजाब के तहत थे, वहां पर जब टैरोरिस्ट हमला बोल

†[] Transliteration in Arabic Script

रहे थे, तो उनका मुकाबला करने के लिए यह बनाया गया था। लेकिन आज इसको पालिटिकल डिसिडेंट के विरोध करने के लिए, राजनैतिक तौर पर अपने विरोधियों के खिलाफ और माइनारिटी इन पर्टिक्युलर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly conclude.

श्री मोहम्मक सलीम : मैं यह कहना चाहता हूं कि सदन में होम मिनिस्टर साहब कुछ बात कहेंगे और सदन के बाहर दूसरी बात कहेंगे। अगर उनमें हिम्मत है तो मैं चुनौती देता हूं कि जो कुछ वह प्रैस कान्फ्रेंस में कहते हैं, अभी मुंबई में जाकर कुछ बात कहेंगे, दिल्ली में दूसरी बात कहेंगे और विदेश से लौटकर तीसरी बात कहेंगे, उन्ही बातों को सदन में कहें। टाडा में जिन लोगों को बेल दी गई है, अभी आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में, पहले यह सिर्फ महाराष्ट्र और गुजरात में था लेकिन अब आंध्र प्रदेश और कर्नाटक, पर्टिक्युलरी आंध्र प्रदेश में कई लोगों को बेल पर छोड़ा गया लेकिन ऐसा करने के बावजूद उनके खिलाफ केस वापस नहीं लिए गए हैं। जब ह्यूमन राइटस कमीशन ने यह बात बताई उसके बाद मंत्री महोदय ने...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly conclude.

श्री मोहम्मद सलीम : ...माइनारिटी कमीशन का इस्तेमाल किया और उनसे सर्टिफिकेट लेने की कोशिश की। उसके बाद इसका इस्तेमाल घट गया है, गलत इस्तेमाल कम हो रहा है। हमारी मांग है कि अगर आप टाडा को रिपील नहीं भी करते हो तो जिन-जिन सेक्शन के तहत यह मिसयूज होता है, उनमें तब्दीली करें या उसमें अमेंडमेंट लायें। मैं जानना चाहता हूं कि आप ऐसा करेंगे या नहीं? इसके मिसयूज के कारण हिन्दुस्तान के नौजवान सालों साल जेलों के अंदर बिना किसी जुर्म के डाल दिए गए हैं और उनके बारे में कोई बादर नहीं करता।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly concludes

श्री मोहम्मद सलीम : मेरी डिमांड है कि जो लोग इसका मिसयूज करते हैं उनको कोई सजा होगी या नहीं? यह वाइलेशन आफ ह्यूमन राइटस है। आंध्र प्रदेश में जो टीन-एज 1990-91 में पकड़े गए थे, आज भी उनके ऊपर केस चल रहे हैं, मुकदमें चल रहे हैं। एक्सटार्शन राकेट है, चाहे गुजरात में हो, चाहे राजस्थान में हो।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Salim, you have to conclude. Other Members have also to speak. Please conclude.

श्री मोहम्मद सलीम : मैं कन्क्लूड कर सकता हूं, अगर होम मिनिस्टर अभी शुरू करते हैं। हम सरकार से चाहते हैं कि सरकार इस ओर कदम उठाये। अगर सरकार इसको रिपील नहीं करना चाहता है तो इसमें एमेंडमेंट करे और जिन लोगों ने इसका मिसयूज किया है उनको सरकार सजा दे।

شری محمد سلیم : جیسے ان کا یہ کہنا تھا کہ ہم معلومات کر رہے ہیں اسٹیٹ گورنمنٹ سے رپورٹ لے رہے ہیں کہ وہ مس یوز ہوئے ہیں۔ اس سدن کے ایک ورشٹھ نیتا جعفر شریف نے پچھلے سیشن میں کہا تھا کہ یہاں اس کا مس یوز ہو رہا ہے جب ہم لوگوں کے اوپر لاٹھی چارج کیا گیا جب ہم ٹاڈا کے ورودھ میں جلوس نکال رہے تھے تو اس وقت منتری جی نے خود کہا تھا کہ وہ اس کو کنٹراڈکٹ نہیں کر سکتے کہ اس کا مس یوز ہو رہا ہے لیکن جب وہ اپوزیشن میں باہر جاتے ہیں اور جب ان سے یہ پوچھا جاتا ہے کہ کیا یہ ٹاڈا مائنارٹی کے خلاف استعمال ہو رہا

†[] Transliteration in Arabic Script

ہے۔ اس سے پہلے کانگریس سرکار یا کانگریس کے کسی بھی نیتا کی یہ کہنے کی ہمت نہیں ہوئی۔ وہ کہتے ہیں کہ اگر کوئی گروہ پھینکتا ہے، کوئی گروپ پھینکتا ہے، کمیونٹی پھینکتی ہے۔ مائنارٹی کے لوگ پھینکتے ہیں تو اس کو مائنارٹی کے خلاف استعمال کیا جائے گا۔ ٹاڈا آرڈیننس کیوں نہیں بنایا گیا تھا۔ ٹاڈا ٹیررزم اور ڈسرپٹیو ایکٹیویٹیز کے تحت کچھ محدود علاقوں میں تھی۔ ڈسٹربڈ ایریا جو پنجاب کے تحت تھے۔ وہاں پر جب ٹیررسٹ حملہ بول رہے تھے تو ان کا مقابلہ کرنے کے لئے یہ بنایا گیا تھا لیکن آج اس کو پالیٹیکل ڈسیڈنٹ کے ورودھ کرنے کے لئے راجنیتک طور پر اپنے ورودھیوں کے خلاف اور مائنارٹی ان پر ٹیکا اس کا استعمال کیا جا رہا ہے۔

شری محمد سلیم: میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ سدن میں ہوم منسٹر صاحب کچھ بات کہیں گے اور سدن کے باہر دوسری بات کہیں گے۔ اگر ان میں ہمت ہے تو میں چنوتی دیتا ہوں کہ جو کچھ وہ پریس کانفرنس میں کہتے ہیں کبھی کبھی جا کر کچھ بات کہیں گے۔ دلی میں دوسری بات کہیں گے اور ودیش سے لوٹ کر تیسری بات کہیں گے۔ انہیں باتوں کو سدن میں کہیں۔ ٹاڈا میں جب لوگوں کو بیل دی گئی ہے ابھی آندھرا پردیش اور کرناٹک میں پہلے یہ صرف مہاراشٹر اور گجرات میں تھا لیکن اب آندھرا پردیش اور کرناٹک پریکٹیکلی آندھرا پردیش میں کئی لوگوں کو جیل پر چھوڑا گیا لیکن ایسا کرنے کے باوجود ان کے خلاف کیس واپس نہیں لئے گئے ہیں۔ جب ہوم منسٹر [illegible] نے یہ بات بتائی اس کے بعد منتری ہو دیے نے۔۔

شری محمد سلیم: مائنارٹیز کمیشن کا استعمال کیا اور ان سے سرٹیفکیٹ لینے کی کوشش کی اور اس کے بعد اس کا استعمال گھٹ گیا ہے۔ غلط استعمال کم ہو رہا ہے۔ ہماری مانگ ہے کہ اگر آپ ٹاڈا کو ریپیل نہیں بھی کرتے تو جن سیکشن کے تحت یہ مس یوز ہوتا ہے انہیں تبدیل کریں یا اس میں امینڈمنٹ لائیں۔ میں جاننا چاہتا ہوں کہ آپ ایسا کریں گے یا نہیں۔ اس کے مس یوز کے کارن ہندوستان کے نوجوان سالوں سال جیلوں کے اندر بنا کسی جرم کے ڈال دیئے گئے ہیں اور ان کے بارے میں کوئی یاد نہیں کرتا۔

شری محمد سلیم: میری ڈیمانڈ ہے کہ جو لوگ اس کا مس یوز کرتے ہیں۔ ان کو

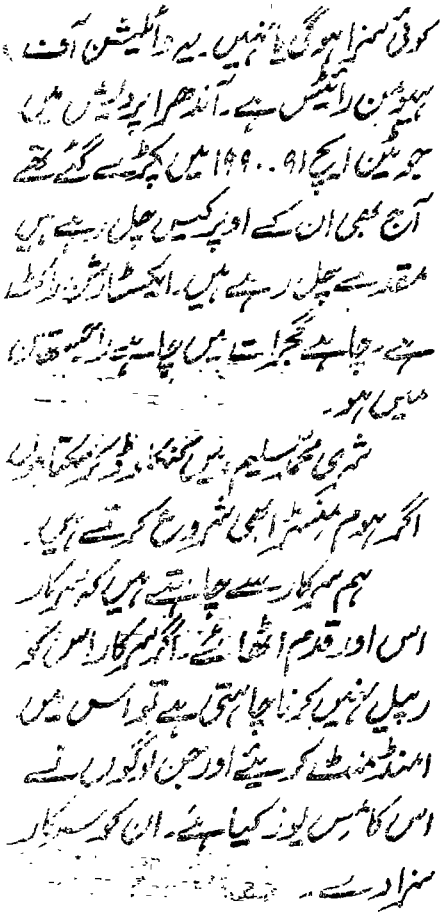

श्री राज बब्बर (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, सदन में सरकार से बार-बार पूछने के बाद भी सरकार ने यह बात नहीं बताई कि जिस तारीख से टाडा का इस्तेमाल हुआ, उस तारीख से आज तक कितने लोगों को इसके अंदर गिरफ्तार किया गया, कितने लोगों के खिलाफ चार्ज-शीट अभी तक बनी है, इसका जवाब अभी तक नहीं मिला है। जो लोग छोड़े भी गए हैं, क्या उनके ऊपर मुकदमें चलाए गए। उनको किस बिना पर छोड़ा गया। 18 हजार लोग जेलों के अंदर हैं। अभी भाई सलीम ने कहा कि उन लोगों के ऊपर जिन्होंने टाडा का इस्तेमाल किया है, उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है। महोदय, टाडा इस देश के अन्दर यह साबित करता है कि आज कितने हजार लोग देशद्रोही और गद्दार हैं। क्या हमारा यह कानून सिर्फ इसलिए बना है कि देश के लोग यह साबित न कर सकें कि वह देशद्रोही और गद्दार नहीं है? क्या यह कानून इसलिए बना है कि, एक आदमी के टाडा में जाने से सात या दस उस परिवार के लोग देशद्रोही और गद्दार बनते है, क्या इस देश का सदन, इस देश का कानून यह साबित करना चाहता है कि यह देश गद्दारों और देशद्रोहियों का देश है। मेरी सदन से दरख्वास्त है कि यह कानून जो कानून जवानों की जिंदगियों को बरबाद कर रहा है, अगर किसी व्यक्ति पर टाडा लगाया जाता है या कोई कहता है कि ये बदमाश दाऊद का साथी है, तो मेरी गुस्ताखी को माफ करें, मैं एक व्यक्ति का नाम लेना चाहूंगा,*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): It is not correct. You cannot allow him to use this House like this.

श्री राज बब्बर : उस पर टाडा क्यों नहीं लगाया गया... (**व्यवधान**) क्यों नहीं टाडा लगाया गया। (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I will not allow it to go on records (*Interruptions*) The allegation will not be allowed to go on record. (*Interruptions*) Allegations cannot be made like this.

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) :* उनको टाडा में क्यों नहीं बन्द किया जाता है (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Misraji, you are a senior Member. You kindly take your seat.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, you cannot allow him to misuse the House like this. Please ask

†[ ] Transliteration in Arabic Script. *Not recorded.

him to resist from speaking all these things. (*Interruptions*) He cannot misuse the House.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): This House cannot be used like this. (*Interruptions*)

श्री राज बब्बर : मन्त्रियों के लिए टाडा है, मंत्रियों के लिए टाडा नहीं है (**व्यवधान**) क्या जिसकी लाठी उसकी भैंस है टाडा सिर्फ उसके लिए लगाया गया (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Raj Babbarji, kindly conclude.

श्री राज बब्बर :आप चाहे मुझे हाऊस से बाहर निकाल दें लेकिन मेरी बात आपको सुननी पड़ेगी (**व्यवधान**)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Don't misuse this forum.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Raj Babbarji, you have to conclude now.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, please expunge whatever he said.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I have already ordered.

श्री राज बब्बर : क्या मतलब है (**व्यवधान**) मुझे अपनी बात को कहने क्यों नहीं दिया जा रहा है। (**व्यवधान**) मैं माननीय मंत्री जी का सम्मान करता हूं। इसीलिए कहना चाहता हूं कि जैसे उनके ऊपर बात आने पर किस तरह से आग बबूला हो गई एक पार्टी। इसी तरीके से उस नौजवान के बारे में सोचिए, उस बच्चे के बारे में सोचिए। (**व्यवधान**)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, again he is saying the same thing.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Raj Babbarji, you have to conclude now.

SHRI JAGESH DESAI: The Chief Minister of Maharashtra has asked the Committee to review the cases.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, it is a serious issue. Let him not politicise a serious issue. He is saying the same thing.

श्री राज बब्बर : मैं कह रहा हूं यह टाडा कितना खतरनाक है। मुझे इस बात की खुशी है कि रूलिंग पार्टी के लोग तिलमिला कर खड़े हो गये। मैं उनकी कदर करता हूं। इसी तरीके से एक मां, एक बहन के भाई की कदर कीजिए जिसका नौजवान अन्दर पड़ा हुआ है। इसके साथ मैं एक बात और कहना चाहता हूं (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): No, no. Kindly conclude.

श्री राज बब्बर : मैं एक बात कहना चाहूंगा (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): No, no. You have to conclude now. Shri Naresh Yadav.

श्री राज बब्बर : मैं यह डिमांड करता हूं कि इस काले कानून को खत्म किया जाए। (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : यह गैर कानूनी है इसलिए इसको खत्म किया जाए (**व्यवधान**)

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी : इस पर बहस होनी चाहिए (**व्यवधान**)

مولانا عبید اللہ خان اعظمی : اس پر بحث ہونی چاہیئے ... "مداخلت" ...

**Not recorded

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): I am not allowing anybody on this subject. Now, Shri Naresh Yadav. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Sir, you kindly ask the Home Minister.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Jaipal Reddy, you know better... (*Interruptions*) I cannot compel the Home Minister.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Home Minister cannot be a silent spectator. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly take your seats. I cannot allow everybody on this subject.

डा० जगन्नाथ मिश्र (बिहार) : यह एक संवेदनशील और गम्भीर मामला है। माननीय सदस्यों ने... (**व्यवधान**) सुनिए (**व्यवधान**) यह एक गम्भीर मामला है। सारे देश में यह भ्रांति फैली हुई है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के विरुद्ध है (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, no (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly take your seats. Please take your seats.

डा० जगन्नाथ मिश्र : मानव आयोग अध्यक्ष ने भी कहा। उन्होंने जिन राज्यों का दौरा किया, दौरा करने के बाद कहा कि यह कानून लोक तंत्र समाज के लिए निंदनीय है। यह काला कानून है, इस कानून को नहीं रखा जाना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Misbraji, kindly take your seat.

डा० जगन्नाथ मिश्र : हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने जो टिप्पणी की उसके बाद माननीय सदस्यों ने जो भावना व्यक्त की, हाल ही में लाल कृष्ण आडवाणी ने इस कानून के पक्ष में जो दलीलें दी हैं उसके बाद यह मामला काफी उलझ गया है? यह कानून लोकतंत्र की बुनियाद के खिलाफ है। इस कानून का दुरुपयोग हो रहा है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly conclude.

डा० जगन्नाथ मिश्र इस कानून को रद्द किया जाना चाहिए। हमारी भी यही भावना है। राज्य सरकारों ने अपनी विधि-व्यवस्था के लिए पुलिस को शक्तियां दे दी हैं जो उसका दुरुपयोग करती है। खास तरह के लोगों के खिलाफ इस्तेमाल करती है। यह बताया गया कि 67 हजार गिरफ्तारियां हुई। केवल सात सौ मामलों में कुछ साक्ष्य मिले हैं। क्या 50-60 हजार नौजवानों को उनके मूल अधिकारों से वंचित कर दिया जाए? इस कानून का दुरुपयोग सारे देश में हो रहा है। पुलिस खास तौर से दुश्मनियां निकालने के लिए, लोगों को परेशान करने के लिए, भयभीत करने के लिए टाडा की शरण में लोगों को परेशान कर रही है। इसलिए इस कानून को तत्काल रद्द करना चाहिए। यह कानून लोकतंत्र के लिए कलंक है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri Naresh Yadav.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Vice-Chariman, Sir, kindly ask the Home Minister to respond.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): I cannot ask him to respond. I cannot compel the Minister

मोहाना आबेदुल्ला खान आतमी : होम मिनिस्टर साहब बयान दें इस पर... (**व्यवधान**)

मौलाना उबैदुल्लाह खान आज़मी: होम मिनिस्टर साहब बयान दें इस पर...

SHRI CHATURANAN MISHRA: You can request him because he had several times said that this was being misused. Mr. Minister, you had said several times that this was being misused. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): Mr. Mishra, please sit down The Minister is responding.

SHRI CHATURANAN MISHRA: It is my request that he should repeat it.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Sir, I do not believe in saying something on the floor of the House and a totally different kind of thing outside the House. (*Interruptions*) I had said on the floor of the House as well as outside. I did say that the provisions of the T.A.D.A. had been misused. I had said so I do not deny that.

DR. JAGANNATH MISHRA: Large-scale.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Large-scale misuse.

SHRI S. B. CHAVAN: Of course,... (*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Let the hon. Minister speak. (*Interruptions*)

We cannot have a running commentary here.

SHRI S. B. CHAVAN: Mishraji should have the patience to understand the kind of problem which we have been facing. It was not with great pleasure that we had to bring forward a legislation of this nature. But I would like to understand from the hon. Members as to how we tackled the situation in Punjab. Not even one witness was spared. If the name of the witness was there, the next day he was wiped out.

SHRI CHATURANAN MISHRA: But the situation has changed.

SHRI S. B. CHAVAN: The situation has changed, but the situation in...

SHRI CHATURANAN MISHRA: The situation in Punjab has changed. Then, what about Gujarat?

डा० जगन्नाथ मिश्र : दूसरा, कहां सिचुएशन है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMAY): Mishraji, kindly hear the hon. Minister.

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, as far as the situation in Jammu and Kashmir is concerned, in spite of the fact that there has been a qualitative change and the people at large are prepared to help you, you cannot deny that there is fear of the gun even now.

SHRI JANESHWAR MISHRA: What about Maharashtra?

SHRI S. B. CHAVAN: Even in Maharashtra, I can say... (*Interruptions*)

SHRI CHATURANAN MISHRA: What about Gujarat?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): Let the Minister respond, please.

SHRI CHATURANAN MISHRA: We are helping him by giving him the names of those States which are not facing any terrorist threat.

SHRI S. B. CHAVAN: I can say that even in Maharashtra, not only Maharashtra, but in Andhra Pradesh, Gujarat and some other areas also...

SHRI MD. SALIM: Rajasthan.

SHRI S. B. CHAVAN: In these areas, the activities of Inter Services Intelligence and the kind of recoveries that we are making... (*Interruptions*).

डा० जगन्नाथ मिश्र : सारा मुल्क टेरोरिस्ट हो गया ?

श्री एस०बी० चौहान : क्या हो गया। आप भी बात सुनें। जरा आप भी तो शांत बैठिये।

एक माननीय सदः : यह टाडा भी आई एस. आई. ने लगाया ?

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : टाडा की बात तो आई.एस.आई. के बहुत पहले हो चुकी है और बहुत पहले से इसकी हम लोग मुखालिफत कर रहे हैं कि मासूम लोगों को छोड़िये। मुजरिमों को आप पकड़िये मासूमों को क्यों बन्द किये हुये हैं . . (व्यवधान)

مولانا عبید اللہ خان اعظمی: ٹاڈا کی بات تو آئی۔ ایس۔ آئی کے بہت پہلے ہو چکی ہے اور بہت پہلے سے اس کی ہم لوگ مخالفت کر رہے ہیں کہ معصوم لوگوں کو چھوڑیئے مجرموں کو آپ پکڑیئے۔ معصوموں کو کیوں بند کئے ہوئے ہیں ...مداخلت...

SHRI S. B. CHAVAN: I can well understand. I can sympathise if any of the innocent people had also been implicated. In fact, there is a case. That is why we have been consistently requesting all the Chief Ministers to review the cases...

SHRI AHMED MOHMEDBHAI ATEL (Gujarat): Nothing is happen. (*Interruptions*)

RI S. B. CHAVAN: I would like e the latest figures because they be under the impression that -65,000 people are still in de- i different jails.

the 1993 amendment of /hen two very important ts were made, the figure has wn to 6,304. If the hon. s are interested, I can give the figures. Actually, I was not prepared for giving any reply to this kind of a discussion. But whatever figures I have with me I am prepared to give to the House.

The details of the number of persons presently in custody under T.A.D.A. are as follows: Andhra Pradesh 267; Araunachal Pradesh—6; Assam—653; Bihar-6; Goa—Nil; Gujarat—252; Haryana—the figure is not available. Himachal Pradesh —1. Jammu and Kashmir 1720; Madhya Pradesh—53; Karnataka—we could not get the figure; Maharashtra—1477; Manipur—235; Meghalaya—16; Punjab—576; Rajasthan—163; Tamil Nadu—158; Uttar Pradesh—329; West Bengal—6; Chandigarh—9; and Delhi 377. The total comes to 6,304. Even in this figure also I can't rule out the possibility of some of the people who, in fact, may have been criminals. I can't rule out that possibility. But depending upon the nature of the crime that they have committed and the information upon which a person is being kept under detention, it is quite possible that he may be tried under the ordinary laws of the land. It is not necessary that in every case TADA alone should be applied. instead of applying TADA, they can apply the other laws which are available and try to reduce the number to the barest minimum. Certainly we can't make any kind of compromise so far as the safety of the country is concerned, and that is why, even if witnesses are being killed, Judges are being killed and even journalists are also being killed, to expect that we should just keep quiet in such circumstances is not correct. Tomorrow if such a thing will happen, every Member is bound to ask me, "What is the Government of India doing in the matter?" or, for that matter, "What is the State Government concerned is doing?" So my request to you would be, so long as extraordinary conditions are there, I can't possibly give an assurance to the House that we propose to repeal the Act.

†Transliteration in Arabic Script

(Shri S. B. Chavan)

About misuse, if it is there ,I have written almost half a dozen letters myself. The Supreme Court has also upheld the validity of the Act but, at the same time, requested the Government that at the Central level as well as at the State level, review committees should be appointed and let the review committees review all the cases of all the detenus who are still there.

Now the most important amendment that we have brought about is, first, within six months the police officers have to finalize their investigation and file the charge-sheet If by any chance within six months they can't do it, then they have to approach the court through the Police Procecutor and request for extension of time. And the maximum time which can be allowed is one year. After one year if the investigation is not completed, then there is hardly any case for keeping the detenus under detention. So, these are the amendments that we have brought about in 1993 and these drastic changes that you find in the figures is because of the amendments that we have brought about. If there is any such provision which is still being misused, I can still reiterate that TADA sholld not be used against political opponents, TADA should not be used against tradeunionists or for any other matter.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Let me interrupt you for a minute, I also happen to be a member of the UN Committee on Human Rights. We have a National Human Rights Commission now. In order to carry credibility in the nation, may I suggest that that the review Committees be appointed by the National Commission rather than by the Government?

SHRI S. B. CHAVAN: I am sorry, I can't agree to this point of view... (Interruptions).. Ultimately it is the Government which be held responsible. I can't possibly ask this commission or that commission to appoint a committee and go into it. I can well understand, if there is misuse on a big scale, some of the public representatives being associated at the time of review, so that their point of view is also heard and, if they have any particular case to represent. certainly they should be in a position to represent their case before them. But. so long as the present condition of extraordinary circumstances is prevailing, I can't possible agree to a repeal. ...(Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Today is Friday.

श्री चतुरानन मिश्र : यह 6 हजार आदमी जो हैं यह एक साल से ज्यादा से हैं । आप इसकी जरा जांच करवा लीजिये । ...(व्यवधान)

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: I have a point of order. The House can't be misled. This is the information given by the Government.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): One minute. Mr. Afzal, kindly take your seat.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: This is a point of order. You sholld allow me.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): One minute. If the Home Minister has not given correct information, you have got another remedy, not a point of order.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: The House cannot b misled.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI NARAYANASAMY): There is a rent remedy available. You ca it.

SHRI MOHAMMED AFZAL MEEM AFZAL: This has been by the Government... (Interrupti

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI NARAYANASAMY): One minute.

minute. One minute. One minute. One minute. (Interruptions) kindly take yolr seat. Kindly take your seat. Kindly take your seat. (Interruptions) Mr. Salim, kindly take your seat.

This is Private Members' Day. It is 1-10 PM now... (Interruptions)

Kindlf hear me...(Interruptions)

Mr. Afzal, kindly hear me. Kindly take your seat. Kindly take your seat. Kindly take our seat.

श्री मोहम्मद सलीम : हजार लोग बन्दी बनाकर रखे गये है कल वह बतायेंगे देश को ..(व्यवधान)..ये चार्ज-शीट दे नहीं पाये हैं...(व्यवधान)

श्री मोह मद अफजल उर्फ मीम अफजल : "टाडा" के मसले पर जो भी हमारे होम मिनिस्टर साहब ने कहा है... होम मिनिस्टर साहब ने कहा है (व्यवधान) आप दो मिनिट मेरी बात नही सुनना चाहते । आपने यह जो फिगर्स दिये हैं यह राज्य सभा में दिये हैं (व्यवधान)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I am waiting to raise my point... (*Interruptions*).

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Just a minute, please. Madam, please.

These figures have been given in Rajya Sabha on 17-8-94.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Afzal, you not hearing what I am saying. ly hear me. Kindly take your seat. take your seat. Kindly your seat.

hon. Home Minister has not rrect information, you have got in this House. You cannot v.

HAMMED AFZAL *alias* ZAL: I Just want to clarify n.

ICE-CHAIRMAN (SHRI V. ANASAMY): No, no, you can fy it now.

We will take up Special Mentions after five o'clock in the evening.

The House is adjourned up to 2-30 p.m.

The House then adjourned for lunch at Twelve minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirtythree minutes past two of the clock, **The Vice-Chairman (Miss Saroj Khaparde)** in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Bills for introduction. Dr. Naunihal Singh.

THE COMPULSORY CROP AND LIVESTOCK INSURANCE SCHEME FOR FARMERS BILL, 1994

DR. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for compulsory insurance of crops and livestock of farmers against natural calamities and to provide them economic safety and for matters connected therewith or incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

DR. NAUNIHAL SINGH: Madam, I introduce the Bill.

THE INSECTICIDES (AMENDMENT) BILL, 1994

SHRI SURESH PACHOURI (Madhya Pradesh): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Insecticides Act, 1968.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI SURESH PACHOURI: Madam, I introduce the Bill.

THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 1994 (INSERTION OF NEW ARTICLE 22A)

SHRI SURESH PACHOURI (Madhya Pradesh): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.